Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 08 October 2024

Dainik Jagran Page - 02, 05

यूजीसी के नियम को लागू करने को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन हुआ सख्त

तीन वर्ष में रिटायर होने वाले शिक्षक नहीं करा सकेंगे शोध

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के ऐसे शिक्षक, जिनकी रिटायरमेंट अवधि तीन वर्ष या उससे कम रह गई है, किसी शोधार्थी का नए सिरे से शोध निर्देशक नहीं बन सकेंगे। विश्वविद्यालय ऐसे शिक्षकों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियम के अनुसार शोध नहीं कराने देगा।

इस नियम के दायरे में आने वाले कई वरिष्ठ शिक्षकों के शोध निर्देशक बनने की तैयारी करने की सूचना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन इसे लेकर सख्त हो गया है।

इन दिनों सभी विभागों में शोध छात्रों के पंजीकरण की प्रक्रिया चल रही है। प्रोफेसर के लिए तीन, एसोसिएट प्रोफेसर के लिए दो और असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए एक सीट्स आवंटित किया जाना है। इसके मुताबिक ही शोधार्थियों का चयन भी सभी विभागों के लिए किया जाना था। इनमें कई ऐसे प्रोफेसर भी शामिल हैं, जिनका रिटायरमेंट तीन साल से कम रह गया है। हालांकि नियुक्त से प्रोफेसर इसी का हवाला देते हुए इस प्रक्रिया से अलग हो गए। जब तीन साल से कम समय में रिटायर होने वाले प्रोफेसरों के शोध निर्देशक बनने की पात्रता पूरी होने लगी है तो इसे लेकर कुछ शिक्षकों ने सवाल उठा दिया।

चर्चा गर्म हुई तो कुलपति तक भी पहुंची और उन्होंने ऐसे शिक्षकों की सूची बनाने का निर्देश दे दिया, जिनका कार्यकाल अब तीन वर्ष से कम रह गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार अब यह शिक्षक शोध नहीं करा सकेंगे।

सभी उपनिष शोधार्थियों का होगा समायोजन : तीन वर्ष से कम कार्यकाल रह जाने वाले वरिष्ठ शिक्षकों के लिए पात्रनिष शोधार्थियों पर इस निर्णय का प्रभाव विश्वविद्यालय प्रशासन नहीं करने देगा। इससे प्रभावित होने वाले सभी शोधार्थियों का समायोजन विभाग के किसी अन्य शिक्षक के शोधार्थियों में किया जाएगा। पंजीकरण के दौरान प्रवेश एवं निर्णय विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभागाध्यक्ष की सलाह पर लिया जाएगा।

> विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियम के अनुसार जिन शिक्षकों का कार्यकाल तीन साल से कम रह जाता है, वह नए सिरे से शोध निर्देशक नहीं बन सकते। ऐसे शिक्षकों को स्वतः ही इस प्रक्रिया से खुद को अलग कर लेना चाहिए। जिन शिक्षकों ने ऐसा नहीं किया है, उन्हें शोध प्रक्रिया से अलग करने की कार्यवाही विश्वविद्यालय प्रशासन स्वयं करेगा। ऐसे शिक्षकों की सूची तैयार कर ली जा रही है, जिनका कार्यकाल अब तीन वर्ष से कम रह गया है। जिन शोधार्थियों का चयन विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा के जरिये किया गया है, उनकी का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाएगा।
>
> प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

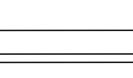

भाषण प्रतियोगिता में दिखी विद्यार्थियों की वाक प्रतिभा

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में सोमवार को 'आत्मनिर्भर भारत' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें समाजशास्त्र विषय के स्नातक तथा परास्नातक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और अपनी वाक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. अनुराग द्विवेदी ने कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने भविष्य के भारत की संकल्पना को रेखांकित किया है। विभाग की प्रो. अंजू, बापू पीजी कालेज पीपीगंज के डा. राकेश प्रताप सिंह और हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक शुक्ला ने निर्णायक की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए बीए तृतीय सेमेस्टर के छात्र प्रशांत राय पहला स्थान प्राप्त किया। प्रतिमा चौरसिया दूसरे और मौसम कुशवाहा व मानसी गुप्ता संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं।

Amar Ujala Page - 07, 10

भाषण प्रतियोगिता में बीए तृतीय सेमेस्टर के प्रशांत अव्वल

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में 'आत्मनिर्भर भारत' विषय पर आधारित भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इसमें समाजशास्त्र विषय के स्नातक तथा परास्नातक की 13 छात्राओं सहित 18 प्रतिभागियों ने विचार प्रस्तुत किए। प्रथम स्थान पर बीए तृतीय सेमेस्टर के प्रशांत राय और द्वितीय स्थान पर बीए पंचम सेमेस्टर की प्रतिमा चौरसिया रहीं। तृतीय स्थान संयुक्त रूप से मौसम कुशवाहा तथा मानसी गुप्ता को मिला। अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. अनुराग द्विवेदी ने कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने भविष्य के भारत की संकल्पना को रेखांकित किया है। इस तरह के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों की रचनात्मकता में वृद्धि होती है। संवाद

डीडीयू के हरिओम और एमएमएमयूटी के दुर्गेश बने कुलसचिव

अपर नगर आयुक्त निरंकार सिंह को आयुष विश्वविद्यालय के कुलसचिव का अतिरिक्त कार्यभार

गोरखपुर। शासन ने सोमवार को जिले में स्थित तीनों राज्य विश्वविद्यालयों में कुलसचिव की तैनाती की गई है। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलसचिव पद पर गोरखपुर में नियुक्त प्रशासनिक अधिकारियों (पीसीएस) को अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है।

गोरखपुर के अपर मंडल आयुक्त हरिओम शर्मा को डीडीयू के कुलसचिव का अतिरिक्त कार्यभार शासन द्वारा सौंपा गया है। डीडीयू में भौतिकी के सीनियर प्रोफेसर शांतनु रस्तोगी करीब 13 महीने से यह कार्यभार संभाल रहे हैं। एमएमएमयूटी में नगर निगम के अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्र को कुलसचिव का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। वहां स्थापना के बाद से ही अब तक शासन की ओर से कुलसचिव की नियुक्ति नहीं की गई थी। वहां वरिष्ठ शिक्षक ही यह जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अप्रैल 2022 से आईटी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जय प्रकाश कुलसचिव हैं। आयुष विश्वविद्यालय में नगर निगम के अपर आयुक्त निरंकार सिंह को कुलसचिव का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

वहां 31 जुलाई को तत्कालीन कुलसचिव डॉ. आरबी सिंह सेवानिवृत्त हो गए थे। संवाद

> *वरिष्ठ शिक्षक संभाल रहे थे कुलसचिव की जिम्मेदारी*
>
> *गोरखपुर के इन तीनों ही राज्य विश्वविद्यालयों में शासन से कुलसचिव नियुक्त नहीं होने के कारण संबंधित संस्थानों के वरिष्ठ शिक्षक यह जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इससे उनके मूल कार्य प्रभावित हो रहे थे। इसके लिए लंबे समय से इन विश्वविद्यालयों में शासन से कुलसचिव की मांग की जा रही थी। शासन से पूर्णकालिक कुलसचिव तो नहीं मिले लेकिन शहर के प्रशासनिक अधिकारियों को अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है।*

Hindustan Page - 06, 07

सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने ध्येय मार्ग पत्रिका के विशेषांक का किया लोकार्पण

अहिल्याबाई ने दिया था एकात्मकता और सुशासन का संदेश : होसबाले

आयोजन

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर का स्पष्ट मानना था कि भेदभाव को लेकर हम लड़ते रहे तो भारत कमजोर हो जाएगा। इसलिए भारत की एकात्मकता, धर्म आधारित सुशासन और लोक कल्याण के लिए कार्य करने का संदेश दिया।

सरकार्यवाह सोमवार को ध्येय मार्ग पत्रिका के विशेषांक 'पुण्यश्लोका अहिल्या देवी होलकर' के लोकार्पण कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। योगिराज गम्भीरनाथ प्रेक्षागृह में कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि अहिल्यादेवी गांव की लड़की थीं। उन्होंने छत्रपति शिवाजी के शासन से प्रेरणा लेकर विपरीत परिस्थितियों में भी एक महान शासन दिया था। गड़रिया परिवार में पैदा हुईं होलकर के परिवार के पांच पुरुषों और 18 महिलाओं की अकाल मृत्यु हुई थी। फिर भी उन्होंने महान शासन दिया था। सरकार्यवाह ने कहा कि अहिल्या देवी ने विलासिता से दूर रहकर एक तपस्वी संत की भांति कार्य किया। अधिपत्यताओं की नियुक्ति की। दूसरे राज्यों से सहयोग लिया और उन्हें सहायता दी। धर्म विरोधी कार्य करने वालों पर कार्यवाही भी की। स्वतंत्र न्याय व्यवस्था सरल-सुलभ की।

गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में सोमवार को सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने ध्येय मार्ग पत्रिका के विशेषांक 'पुण्यश्लोका अहिल्या देवी होलकर' का लोकार्पण किया।

अध्यक्षता कर रहीं डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि मध्य प्रदेश के इंदौर के होलकर राज्य की महारानी ने लोककल्याणकारी शासन को बुखूबी मान कर काम किया। एक कर्तव्यनिष्ठ, कर्मनिष्ठ, कुशल प्रशासिका होने के साथ ही वह भारतवर्ष की एक एवं अखंड मानकर राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तथा धार्मिक प्रबंधन करती थीं। इसके पूर्व सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, प्रांत संघचालक डॉ. गहेंद्र अग्रवाल, कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने दीप प्रज्वलन, अहिल्या देवी होलकर जी के चित्र पर पुष्पचर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंचासीन अधितियों ने पुण्यश्लोका अहिल्यादेवी होलकर का लोकार्पण किया।

संसद रविकिशन ने की चर्चा

सांसद रवि किशन ने प्रेक्षागृह में सरकार्यवाह के साथ गोरखपुर के साथ ही राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। गोरखपुर के विकास को लेकर जानकारी दी।

आज गोरखपुर से रवाना होंगे

चार दिन के प्रवास पर गोरखपुर आए होसबाले का प्रवास सोमवार को पूरा हुआ। संघ के प्रांत कार्यालय मध्य धाम में प्रवास के दौरान उन्होंने प्रांत पदाधिकारियों के साथ बर्ड बैठकें की और शताब्दी वर्ष तक गांव-गांव में संघ की शाखा विस्तार को पदाधिकारियों को प्रेरित किया। मंगलवार की सुबह वह गोरखपुर से रवाना हो जाएंगे।

Amar Ujala Select Page - 02, 04

भाषण स्पर्धा में छात्रों ने भारत की संकल्पना को किया रेखांकित

डीडीयू के समाजशास्त्र विभाग में प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में 'आत्मनिर्भर भारत' विषय पर आधारित भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में समाजशास्त्र विषय के स्नातक व परास्नातक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 13 छात्राओं सहित 18 प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. अनुराग द्विवेदी ने कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने भविष्य के भारत की संकल्पना को रेखांकित किया है। इस तरह के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों की रचनात्मकता में वृद्धि होती है।

भाषण प्रतियोगिता में समाजशास्त्र विभाग की प्रो. अंजू, बापू पीजी कॉलेज पीपीगंज के डॉ. राकेश प्रताप सिंह व हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक शुक्ला ने निर्णायक की भूमिका निभाई। निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ. अभिषेक शुक्ला ने कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से यह अनुभव हुआ कि समाजशास्त्र विषय के बेहतरीन शिक्षकों के निर्देशन में विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो रहा है। यहां के विद्यार्थियों में संभावनाएं बहुत अधिक हैं। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग के डॉ. दीपेंद्र मोहन सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. संगीता पांडेय, प्रो. शुभी धुसिया, डॉ. पवन कुमार, डॉ. मनीष कुमार पांडेय सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

अपर नगर आयुक्त को आयुष विवि के कुलसचिव का अतिरिक्त कार्यभार

डीडीयू के हरिओम व एमएमएमयूटी के दुर्गेश बनाए गए कुलसचिव

गोरखपुर। शासन ने सोमवार को जिले में स्थित तीनों राज्य विश्वविद्यालयों में कुलसचिव की तैनाती की गई है। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलसचिव पद पर गोरखपुर में नियुक्त प्रशासनिक अधिकारियों (पीसीएस) को अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है।

गोरखपुर के अपर मंडल आयुक्त हरिओम शर्मा को डीडीयू के कुलसचिव का अतिरिक्त कार्यभार शासन द्वारा सौंपा गया है। डीडीयू में भौतिकी के सीनियर प्रोफेसर शांतनु रस्तोगी करीब 13 महीने से यह कार्यभार संभाल रहे हैं। एमएमएमयूटी में नगर निगम के अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्र को कुलसचिव का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। वहां स्थापना के बाद से ही अब तक शासन द्वारा कुलसचिव की नियुक्ति नहीं की गई थी। वहां वरिष्ठ शिक्षक ही यह जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

अप्रैल 2022 से आईटी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जय प्रकाश कुलसचिव हैं। आयुष विश्वविद्यालय में नगर निगम के अपर आयुक्त निरंकार सिंह को कुलसचिव का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। वहां 31 जुलाई को तत्कालीन कुलसचिव डॉ. आरबी सिंह सेवानिवृत्त हो गए थे। तबसे यह पद रिक्त चल रहा था।

हरिओम शर्मा और दुर्गेश मिश्रा।

> **वरिष्ठ शिक्षक संभाल रहे कुलसचिव की जिम्मेदारी**
>
> गोरखपुर के इन तीनों ही राज्य विश्वविद्यालयों में शासन से कुलसचिव नियुक्त नहीं होने के कारण संबंधित संस्थानों के वरिष्ठ शिक्षक यह जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इससे उनके मूल कार्य प्रभावित हो रहे थे। इसके लिए लंबे समय से इन विश्वविद्यालयों में शासन से कुलसचिव की मांग की जा रही थी। शासन से पूर्णकालिक कुलसचिव तो नहीं मिले लेकिन शहर के प्रशासनिक अधिकारियों को अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है।

Hindustan Page - 06, 07

वायरस पहचान कर फसल नष्ट होने से बचाएगी बायोसेंसर किट

रिसर्च

- डीडीयू के बायोकेमेस्ट्रीवालों के प्रो. राजर्षि गौर ने बनाई 'डीएनए पेंटेंट' में प्रकाशित
- बायोसेंसर को पौधे के जमूनों से संपर्क करने पर लीफ मिलेगा संकेतमन है या नहीं

प्रो. राजर्षि गौर।

गोरखपुर, निज संवाददाता। पर्यावरण अवसूदान के कारण फसलों सहित विभिन्न पौधों पत्तनों में संक्रमण अब आम बात हो गई है। फसलों में कई बार वायरस की जानकारी नहीं हो पाती और आम इंसान उसका इलोमाला कर पौधे कर से बीमार पड़ जाता है। कई बार संक्रमण इतना देरी से पैलता है कि पूरी की पूरी फसल नष्ट हो जाती है। लेकिन अब अगर पहले वायरस का पता चल सकेगा। यह संभव होगा बायोसेंसर किट से। गोरखपुर विश्वविद्यालय के बायोकेमेस्ट्रीवालों विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजर्षि गौर ने इसे तैयार कर लिया है। डीएनए पेंटेंट में उसका शोध अगस्त 2024 में प्रकाशित हुआ है।

प्रो. राजर्षि गौर ने बीबी मुनिवर्सिटी, राजस्थान के डॉ. राकेश वर्मा के साथ मिलकर पौधों में लगने वाले वायरस पर शोध पूरा किया था। वायरस पर वर्ष के शोध के बाद सफलो और गन्ना आदि में लगने वाले वायरस का पता लगाने के लिए किट का इजाद किया है। बायोसेंसर को संक्रमित पौधे के जमूनों के साथ संपर्क करने पर संकेत मिलेगा कि वे संक्रमित हैं या नहीं। 99.9 प्रतिशत है सटीकता : लीफकर्ल वायरस, मोजैक वायरस, वेन मल्लोथ वायरस फसलों को नुकसान पहुंचाता है। वायरस के पौधे में आते ही उत्पादन कम कर देता। संक्रमण बढ़ने पर 90 फीसदी फसलों को खराब कर देता। किसान महंगे व घुलनों को खराब कर देता है। इस प्रकार के वायरस के संक्रमण को पहचान कर पैदा किसान को देख, जिससे कि वह समय रहते कीटनाशकों का छिड़काव कर सके। इसकी सटीकता करीब 99.9 फीसदी है।

डीडीयू के पेंटेंट के लिए किया आवेदन : डॉ. राजर्षि गौर द्वारा विकसित किट पर शोध को लेकर विस्तृत शोध प्रकाशित हुआ है। अब इसके पेंटेंट के लिए डीडीयू प्रशासन ने आवेदन किया है।

हरिओम, दुर्गेश, निरंकार कुलसचिव बने

- अपर मंडल आयुक्त हरिओम शर्मा को डीडीयू का कुलसचिव बनाया
- अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्र को एमएमएमयूटी की जिम्मेदारी

दुर्गेश मिश्र।

निरंकार सिंह।

गोरखपुर, निज संवाददाता। प्रदेश सरकार ने सूबे के 10 राज्य विश्वविद्यालयों में आईएएस व पीसीएस अधिकारियों को कुलसचिव पद की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी है। इनमें तीन गोरखपुर के हैं। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, मदन मोहन मालवीय प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय और महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलसचिव पद पर गोरखपुर में नियुक्त प्रशासनिक अधिकारियों (पीसीएस) को अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है।

गोरखपुर के अपर मंडल आयुक्त हरिओम शर्मा को डीडीयू के कुलसचिव का अतिरिक्त कार्यभार शासन द्वारा सौंपा गया है। डीडीयू में भौतिकी के सीनियर प्रोफेसर शांतनु रस्तोगी करीब 13 महीने से यह कार्यभार संभाल रहे हैं। एमएमएमयूटी में नगर निगम के अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्र को कुलसचिव का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। वहां स्थापना के बाद से ही अब तक शासन द्वारा कुलसचिव की नियुक्ति नहीं की गई थी। वहां वरिष्ठ शिक्षक ही यह जिम्मेदारी संभालते रहे थे। अप्रैल 2022 से आईटी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जय प्रकाश वहां कुलसचिव हैं। आयुष विश्वविद्यालय में नगर निगम के अपर आयुक्त निरंकार सिंह को कुलसचिव का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

भाषण में प्रशांत प्रथम, प्रतिमा रहीं द्वितीय

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में 'आत्मनिर्भर भारत' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बीए तृतीय सेमेस्टर के प्रशांत राय प्रथम, पंचम सेमेस्टर की प्रतिमा चौरसिया द्वितीय रहीं। विभागाध्यक्ष प्रो. अनुराग द्विवेदी ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। मौके पर प्रो. संगीता पांडेय, प्रो. सुभी धुसिया, प्रो. अंजू, डॉ. आरपी सिंह, डॉ. अभिषेक शुक्ल, डॉ. दीपेंद्र मोहन सिंह डॉ. पवन कुमार, डॉ. मनीष पांडेय मौजूद रहे।

बीएससी और बीकाम का अंकपत्र जारी

बीए का अंकपत्र भी शीघ्र जारी करने की तैयारी, जल्द मिलेगी डिग्री की हार्ड कापी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय ने अंकपत्र और डिग्री जारी करने को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। विश्वविद्यालय के मुताबिक बीए को छोड़ बीएससी, बीकाम, बीबीए सहित सभी स्नातक पाठ्यक्रमों का अंकपत्र कालेजों को जारी कर दिया गया है। बीए की मार्कशीट भी तैयार कर ली गई है, उसे भी जल्द जारी कर दिया जाएगा।

विश्वविद्यालय के अनुसार जिन विद्यार्थियों की अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा हो गई थी, लेकिन किसी अन्य सेमेस्टर के मार्कशीट प्रश्नपत्र में बैक लगा था या प्रैक्टिकल परीक्षा छूट गई थी, उनकी ओएमआर आधारित परीक्षा कराई जा रही है। परीक्षा पूरी होते ही उसके अंकों के साथ बीए का अंकपत्र जारी किया जाएगा। डिग्री के संबंध में विश्वविद्यालय ने जानकारी दी है कि कालेजों को अपने विद्यार्थियों के हिंदी नाम की जांच करने और उसमें संशोधन का तीन बार अवसर दिया गया, बावजूद इसके कार्य अधूरा रह गया। ऐसे में विश्वविद्यालय ने इस कार्य को स्वयं संपन्न कराया। इसके लिए सुधार व समर्थ पोर्टल का सहारा लिया गया। अब अंकपत्र के साथ डिग्री की हार्डकापी भी उपलब्ध कराने की विश्वविद्यालय की योजना है।

डिजीलाकर पर अपलोड हो चुकी है डिग्री : स्नातक व परास्नातक की अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके विद्यार्थियों की डिग्री डिजीलाकर पर अपलोड कर दी गई है। गेबि ने डिग्री की हार्डकापी जारी होने तक प्रोविजनल डिग्री प्राप्त करने का विकल्प खुला रखा है। अंकपत्र की प्रमाणित प्रति भी वेबसाइट पर उपलब्ध है। जबतक हार्डकापी नहीं मिल जाती, आनलाइन अंकपत्र और डिग्री से विद्यार्थी शैक्षणिक प्रक्रिया आगे बढ़ा सकते हैं।

> छात्रों के नाम, नामांकन संख्या में संशोधन करने का अवसर देने और माइनर व प्रैक्टिकल विषयों की छूटी परीक्षा कराकर परिणाम जारी करने का अनुरोध कुलपति से किया गया था। उन्होंने दोनों ही प्रक्रिया शीघ्रता से संपन्न कराई। जल्द अंकपत्र व डिग्री की हार्डकापी जारी करने का आश्वासन मिला है।
>
> डा.सुधीर कुमार राय, महामंत्री स्व-वित्तपोषित महाविद्यालय प्रबंधक महासभा
>
> विद्यार्थियों को त्रुटियुक्त व अधूरा अंकपत्र न मिले। डिग्री भी त्रुटिहीन हो। इस प्रयास में अंकपत्र व डिग्री की हार्डकापी जारी होने में देर हुई है। बावजूद इसके बीए छोड़कर स्नातक के सभी पाठ्यक्रमों का अंकपत्र कालेजों को भेज दिया गया है। बीए का अंकपत्र भी लगभग तैयार हो गया है, जल्द उसे कालेजों को उपलब्ध करा दिया जाएगा। अंकपत्र के साथ डिग्री भी जारी कर दी जाएगी। डिग्री डिजीलाकर पर उपलब्ध भी है। विद्यार्थी उसे वहां से प्राप्त कर सकते हैं। प्रोविजनल डिग्री जारी करने की व्यवस्था भी की गई है।
>
> प्रो.पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

प्रोविजनल डिग्री पाने का खुला है विद्यार्थियों के लिए विकल्प

अंकपत्र की प्रमाणित प्रति भी वेबसाइट पर उपलब्ध

Rashtriya Sahara Page - 07

अपर आयुक्त हरिओम शर्मा बनें डीडीयू के कार्यवाहक कुलसचिव

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का कार्यवाहक कुलसचिव हरिओम शर्मा अपर आयुक्त गोरखपुर मंडल गोरखपुर को बनाया गया है। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा इस बाबत सोमवार को पत्र जारी कर दिया गया है। श्री शर्मा अपने वर्तमान पद के साथ ही कुलसचिव दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का अतिरिक्त प्रभार भी देखेंगे। तकरीबन एक साल से कुलसचिव का कार्यभार विश्वविद्यालय के प्रोफेसर शांतनु रस्तोगी देख रहे थे।

Inext Page - 04

अपर आयुक्त डीडीयू व अपर नगर आयुक्त एमएमयूटी के बने रजिस्टार

अपर आयुक्त निरंकार सिंह को आयुष यूनिवर्सिटी का मिला अतिरिक्त प्रभार

GORAKHPUR (7 Oct): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी, मदनमोहन मालवीय प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी और महायोगी गोरखनाथ यूनिवर्सिटी को उनकी मांग के मुताबिक शासन ने कुलसचिव तैनात कर दिया है. तीनों यूनिवर्सिटीज के कुलसचिव पीसीएस अफसर बनाए गए हैं. साथ ही तीनों को कुलसचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. अपर आयुक्त गोरखपुर मंडल हरिओम शर्मा को गोरखपुर यूनिवर्सिटी के कुलसचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. वह वर्तमान कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी से कार्यभार ग्रहण करेंगे. नगर निगम के अपर आयुक्त दुर्गेश मिश्र को मदनमोहन मालवीय प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी के कुलसचिव की अतिरिक्त जिम्मेदारी मिली है. वह वर्तमान कुलसचिव डा. जयप्रकाश का स्थान लेंगे. महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष यूनिवर्सिटी के कुलसचिव पद की जिम्मेदारी अब नगर निगम के अपर नगर आयुक्त निरंकार सिंह संभालेंगे. वर्तमान में इस यूनिवर्सिटी के कुलसचिव पद पर आरबी सिंह तैनात हैं. देर शाम जारी हुए आदेश के बाद सभी यूनिवर्सिटी में इस बात की चर्चा रही कि अतिरिक्त प्रभार होने से नए कुलपति यूनिवर्सिटीज को पूरा समय नहीं दे पाएंगे. ऐसे में महत्वपूर्ण कार्यों पर प्रभाव पड़ेगा. समस्याओं का निस्तारण समय से नहीं हो सकेगा.

Nirbhik India

समाजशास्त्र विभाग भाषण प्रतियोगिता

● लड़के ने लड़कियों को हराया

निर्भीक इंडिया संवाददाता, गोरखपुर -

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में 'आत्मनिर्भर भारत' विषय पर आधारित भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में समाजशास्त्र के स्नातक व परास्नातक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 13 छात्राओं सहित कुल 18 प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. अनुराग द्विवेदी ने कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने भविष्य के भारत की संकल्पना को रेखांकित किया है। इस तरह के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों की रचनात्मकता में वृद्धि होती है।

भाषण प्रतियोगिता में समाजशास्त्र विभाग की प्रो. अंजू, बापू पीजी कॉलेज पीपीगंज के डॉ. राकेश प्रताप सिंह और हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अभिषेक शुक्ला ने निर्णायक की भूमिका निभाई। निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ. अभिषेक शुक्ला ने कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से यह महसूस हुआ कि समाजशास्त्र विषय के श्रेष्ठ शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो रहा है। यहां के विद्यार्थियों में काफी संभावनाएं हैं। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग के दीपेंद्र मोहन सिंह ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रकाश द्विवदी ने किया। इस अवसर पर प्रो० संगीता पांडेय, प्रो० शुभी धुसिया, डॉ० पवन कुमार, डॉ० मनीष कुमार पांडेय सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रथम स्थान पर आया लड़का

- बीए तृतीय सेमेस्टर के प्रशांत राय ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

Super Fast Times

समाजशास्त्र विभाग में हुई भाषण प्रतियोगिता, प्रशांत को मिला प्रथम स्थान

सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में 'आत्मनिर्भर भारत' विषय पर आधारित भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में समाजशास्त्र के स्नातक और परास्नातक विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 13 छात्राओं समेत कुल 18 प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो० अनुराग द्विवेदी ने कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने भावी भारत की संकल्पना को रेखांकित किया है। ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों की सृजनात्मकता बढ़ती है। भाषण प्रतियोगिता में समाजशास्त्र विभाग की प्रो० अंजू, बापू पीजी कॉलेज पीपीगंज के डॉ० राकेश प्रताप सिंह और हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ० अभिषेक शुक्ला ने निर्णायक की भूमिका निभाई। निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ० अभिषेक शुक्ला ने कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से यह महसूस हुआ कि समाजशास्त्र विषय के श्रेष्ठ शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो रहा है। यहां के विद्यार्थियों में काफी संभावनाएं हैं। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग के दीपेंद्र मोहन सिंह ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रकाश द्विवदी ने किया। इस अवसर पर प्रो० संगीता पांडेय, प्रो० शुभी धुसिया, डॉ० पवन कुमार, डॉ० मनीष कुमार पांडेय सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

- बीए तृतीय सेमेस्टर के प्रशांत राय ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

भाषण प्रतियोगिता के बाद विजयी प्रतिभागियों के नामों की घोषणा की गई और उन्हें सम्मानित किया गया। बीए तृतीय सेमेस्टर के प्रशांत राय ने प्रथम स्थान और बीए पंचम सेमेस्टर की प्रतिमा चौरसिया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मौसम कुशवाहा व मानसी गुप्ता ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

हॉकी प्रतियोगिता के लिए ट्रॉयल 16 को

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरुष हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन 23 से 28 अक्तूबर तक झांसी में होगा। प्रतियोगिता के लिए रीजनल स्पोर्ट्स स्टेडियम में जिला स्तरीय ट्रायल 16 अक्तूबर को अपराह्न 3 बजे से होगा।